डॉ0 पंकज कुमार पाण्डे, आई.ए.एस.
सचिव, विद्यालयी शिक्षा

उत्तराखण्ड शासन
सचिवालय,देहरादून।

स्वाधीनता दिवस सन्देश

अपार हर्ष का विषय है कि आज हम स्वाधीनता दिवस की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर "आजादी का अमृत महोत्सव" के साथ–साथ हर घर तिरंगा कार्यक्रम भी मना रहे हैं। इस पुनीत अवसर पर विद्यालयी शिक्षा परिवार के समस्त छात्र/छात्राओं, अभिभावकों, शिक्षकों, शैक्षिक अभिकर्मियों, शिक्षाधिकारियों एवं प्रदेश के समस्त सम्मानित नागरिकों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

मैं सभी शिक्षा अधिकारियों, विद्वान शिक्षकों से अपेक्षा करता हूँ कि इस अवसर पर छात्रों को शहीदों की देशभक्ति की कहानियाँ, बलिदान, सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराते हुए राष्ट्र के गौरवशाली इतिहास का ज्ञान भी प्रदान करेंगे।

एक सुदृढ़ प्रजातांत्रिक देश के जागरूक नागरिक होने के नाते आज के दिन हमें संकल्प लेना होगा कि स्वतन्त्रता के लिए अमर शहीदों के संघर्ष एवं बलिदान की गौरवपूर्ण गाथाओं से प्रेरणा लेकर देश की एकता एवं अखण्डता को सुरक्षित रखेंगे तथा सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, ज्ञान–विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र की प्रगति में अपना अमूल्य योगदान प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर रहेगें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास में विद्यालयों की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण उल्लिखित की गयी है। सामुदायिक सहभागिता से शिक्षण संस्थाओं में शिक्षण अधिगम हेतु अनुकूल वातावरण तैयार किया जा सकता है।

विगत वर्षों में कोविड–19 की वैश्विक महामारी के कारण शिक्षण संस्थाओं को अविरल रूप से संचालित नहीं किया जा सका। अब विद्यालयों के भौतिक रूप से संचालन के उपरान्त बच्चों के अधिगम स्तर में सुधार तथा सीखने के अवरोधों को दूर करने के लिए शिक्षकों, अभिभावकों एवं संस्थाओं द्वारा अथक रूप से अतिरिक्त प्रयास किये जाने होंगे।

राज्य सरकार प्रदेश में शिक्षा के उन्नयन के प्रति दृढ संकल्पित हैं। शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता संवर्द्धन हमारा प्रमुख उद्देश्य हैं। शिक्षा की गुणवत्ता को आदर्श स्वरूप प्रदान करने एवं संसाधन विहीन, अपवंचित दूरस्थ क्षेत्रों के छात्रों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु शैक्षिक तकनीकी आदि का सर्वोत्तम उपयोग भी किये जाने की आवश्यकता है।

क्रमशः.....(2) पर–

विद्यालयों की संचालन अवधि में अभी भी विद्यालयों में छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हैण्ड सैनिटाइजर/थर्मल स्कैनिंग, मास्क आदि का लगातार उपयोग किया जाये। कोविड–19 के फैलाव तथा उससे बचाव के उपायों से समस्त विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को जागरूक किया जाय।

वर्तमान में समग्र शिक्षा के माध्यम से विद्यालयों में भौतिक संसाधनों, व्यवसायिक शिक्षा, पुस्तकालयों की स्थापना, खेल सामग्री आदि उपलब्ध करायी जाती हैं, इन संसाधनों का समुचित उपयोग किया जाना आवश्यक है। जिन विद्यालयों में वर्चुअल/स्मार्ट क्लास आदि की व्यवस्था है, उक्त सामग्री की सहायता से विषय का अध्यापन अधिक रूचिकर एवं प्रभावी बनाया जा सकता है।

स्वाधीनता दिवस के इस पावन अवसर पर हम सभी अपने–अपने कार्य एवं दायित्वों का पूर्ण मनोयोग से निर्वहन करते हुए राष्ट्र निर्माण की प्रगति के प्रति कृत संकल्पित हों।

जय हिन्द, जय भारत।

(डॉ0 पंकज कुमार पाण्डेय)
सचिव,
विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड।